पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83, डाक पंजी. संख्या-डी.एल. (एन.)/084/2012-14

इस अंक का मूल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

आर्य महासम्मेलन व 251 कुण्डीय यज्ञ को सफल बनाने पर आर्य जनता का हार्दिक धन्यवाद

-डॉ. अशोक कुमार चौहान

संस्थापक अध्यक्ष

ऐमिटी शिक्षण संस्थान, नई दिल्ली

वर्ष-28 अंक-17 माघ-2068 दयानन्दाब्द 188 1 फरवरी से 15 फरवरी 2012 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 8 वार्षिक शुल्क 48 रु.

E-mail : aryayouth@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 33वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन शानदार सफलता के साथ सम्पन्न

हम अपनी भारतीय संस्कृति पर गर्व करना सीखे -डॉ. सत्यपाल सिंह (एडीजी, महाराष्ट्र पुलिस मुम्बई)

यज्ञ भक्त व वेद भक्त ऋषि दयानन्द के दीवाने कहां रूकते हैं किसी के रोकने से

''आर्यों की विशाल शोभायात्रा'' का नेतृत्व करते परिषद् अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य, श्री जयभगवान गोयल, स्वामी आर्यवेश जी, डॉ. वीरपाल विद्यालंकार, स्वामी श्रद्धानन्द जी, सुरेन्द्र कोहली, रामलुभाया महाजन, प्रकाशवीर शास्त्री, सन्तोष शास्त्री, प्रवीन आर्य आदि। उत्साह व जोश का नाम है आर्य युवक परिषद्। द्वितीय चित्र में सम्बोधित करते स्वामी आर्यवेश जी व मंच पर बायें से स्वामी सौम्यानन्द जी, स्वामी सुमेधानन्द जी, स्वामी दिव्यानन्द जी, स्वामी चन्दवेश जी, डॉ. सत्यपाल सिंह (एडीजी, महाराष्ट्र पुलिस) व डॉ. अनिल आर्य।

दिल्ली। रविवार 29 जनवरी 2012, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, नई दिल्ली के तत्वावधान में रामलीला मैदान, जी.टी.बी. एन्कलेव, दिलशाद गार्डन में चल रहे ''आर्य महासम्मेलन'' में सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. सत्यपाल सिंह (एडीजी, महाराष्ट्र पुलिस मुम्बई) ने कहा कि हमें अपनी भारतीय संस्कृति पर गर्व करना चाहिए, हमारी संस्कृति सर्वश्रेष्ठ है, उन्होंने कहा कि आज की भौतिकवाद की आंधी में युवा पीढ़ी नाच गाने में व्यस्त है। आवश्यकता इस बात की है कि नयी पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास के बारे में बताया जाये। स्वाध्याय को जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाये, पाखण्ड, अन्धविश्वास, रूढ़िवाद समाज को खोखला कर रहे हैं। इसके लिए जन जागरण अभियान चलाया जाये। आर्य इस देश के मूल निवासी हैं, इस सन्दर्भ में भ्रान्तियां दूर करनी चाहिए।

वैदिक विरक्त मण्डल के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी सुमेधानन्द जी ने कहा कि वेद विश्व की सबसे पुरातन पुस्तक है, हमें इसका पठन पाठन करना चाहिये। स्वामी आर्यवेश ने कहा कि राजनीति धर्म आधारित होनी चाहिए, धर्मविहीन राजनीति पतन का कारक है। जयपुर से पधारे श्री सत्यव्रत सामवेदी ने कहा कि देश में भुखमरी है, लोग भूख से आत्महत्या कर रहे है, यह राष्ट्रीय शर्म की बात है। डॉ. धर्मपाल आर्य ने कहा कि जातिवादी आधारित चुनाव भारतीय संविधान की मूल भावना के विरूद्ध है। समारोह का संचालन डॉ. अनिल आर्य ने किया।

इस अवसर पर स्वामी दिव्यानन्द जी (हरिद्वार), आचार्य प्रेमपाल शास्त्री, पं. मेघश्याम वेदालंकार, आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री, स्वामी यज्ञमुनि आदि ने भी अपने विचार रखे। समारोह के शुभारम्भ 151 कुण्डीय यज्ञ के साथ हुआ।

डॉ. जयेन्द्र आचार्य ने यज्ञ ब्रह्मा का दायित्व निभाया। मुख्य यजमान श्री दर्शन अग्निहोत्री, श्रीमती सुदेश अरोड़ा, श्री महेश भार्गव, डॉ. डी.के. गर्ग, श्री सुरेन्द्र पाहवा यज्ञ मण्डप की शोभा बढ़ा रहे थे। श्री महेन्द्र भाई जी, श्री रामकुमार सिंह, श्री यशोवीर आर्य, श्री वेदप्रकाश आर्य, कैप्टन अशोक गुलाटी, श्री यज्ञवीर चौहान, श्री शिशुपाल आर्य, श्री राजीव कोहली, श्री देवेन्द्र भगत, सुरेश आर्य, के.के. यादव, विजयारानी शर्मा, प्रभा सेठी, सरोज भाटिया, संजीव मान, ऋषिपाल खोखर, अमित आर्य, ओमवीर सिंह, विश्वनाथ आर्य, प्रणवीर आर्य आदि सभी व्यवस्था सम्भाल रहे थे। यज्ञ मण्डप पर खिली हुई धूप व हजारों यज्ञमान व साधु संन्यासियों का भव्य दर्शन कार्यक्रम को चार चांद लगा रहा थे।

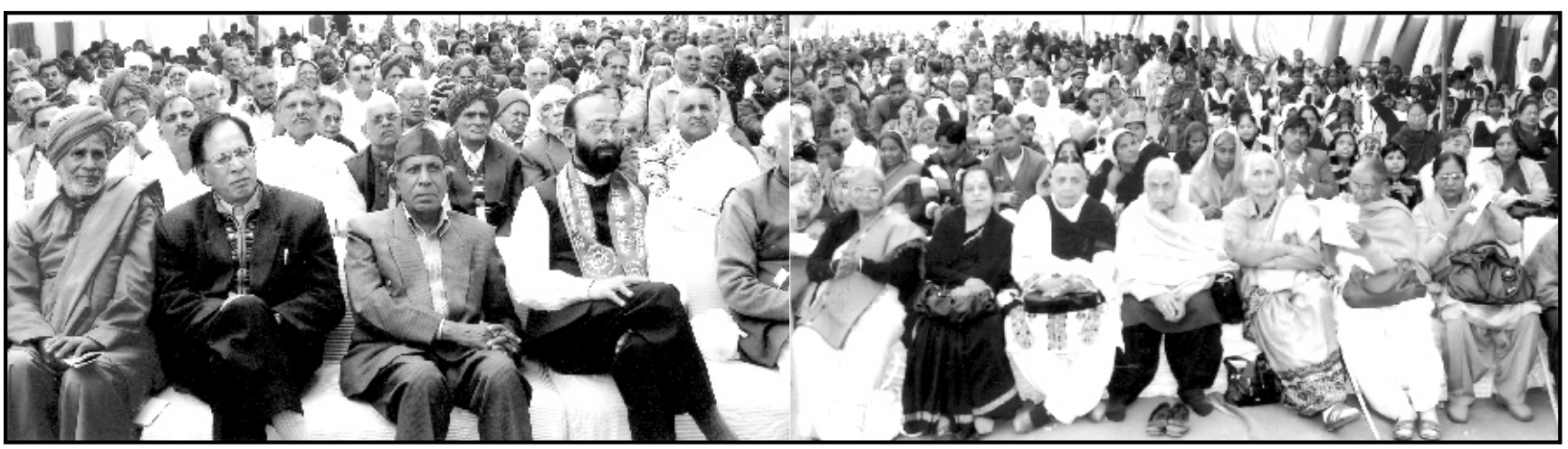

आर्य महासम्मेलन का विशाल पण्डाल : आर्य जनता से खचा खच भरा सुन्दर दृश्य।

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन की सचित्र झलकियां

वैदिक विद्वान् पं. मेघश्याम वेदालंकार का अभिनन्दन करते डॉ. अनिल आर्य, डॉ. सत्यपाल सिंह (एडीजी, महाराष्ट्र पुलिस), आचार्य प्रेमपाल शास्त्री व स्वामी आर्यवेश जी
द्वितीय चित्र में श्री बैकुण्ठलाल शर्मा प्रेम पूर्व सांसद का अभिनन्दन करते डॉ. अनिल आर्य, स्वामी चन्द्रवेश जी, श्री सत्यभूषण जैन व अनुराग मिश्रा

दिल्ली प्रान्तीय संचालक श्री रामकुमार सिंह का अभिनन्दन करते डॉ. सत्यपाल सिंह, द्वितीय चित्र में श्री यशोवीर आर्य का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी व
तृतीय चित्र में श्री रवि चड्डा का अभिनन्दन करते डॉ. सत्यपाल सिंह जी

क्रमशः बाएं से राष्ट्रीय महामंत्री श्री महेन्द्र भाई का अभिनन्दन, श्री शिशुपाल का अभिनन्दन व श्री वेदप्रकाश आर्य का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी तथा श्री सुरेश
आर्य का अभिनन्दन करते डॉ. सत्यपाल सिंह

अभिनन्दित आर्य जन क्रमशः बाएं से श्रीमती सरोज भाटिया व जवाहर भाटिया, श्री संजीव मान, श्रीमती रेखा मान व श्री हरिओम, कैप्टन अशोक गुलाटी व आचार्य मंजू (उड़ीसा)

बाएं से विधायक श्री वीरसिंह धिगान को शॉल व स्मृति चिन्ह भेंट करते डॉ. अनिल आर्य, स्वामी श्रद्धानन्द जी, स्वामी दिव्यानन्द जी, श्री विनोद कुमार (संपादक
चण्डीभूमि चण्डीगढ़) को सम्मानित करते डॉ. धर्मपाल व श्री अशोक आर्य (पंचकुला) एवं आचार्य कृष्ण प्रसाद कौटिल्य को सम्मानित करते डॉ. सत्यपाल सिंह जी

अभिनन्दित आर्य जन क्रमशः बाएं से श्री सुरेन्द्र कोहली, श्री तेजपाल सिंह (ए.सी.पी.), श्री हरिओम दलाल (बहादुरगढ)

तीन दिवसीय आर्य महासम्मेलन के शुभारम्भ पर निकाली हजारों आर्यों ने विशाल शोभायात्रा

राष्ट्र की रक्षा के लिए आर्य युवकों को आगे आना होगा

स्वामी सुमेधानन्द सरस्वती (अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष वैदिक विरक्त मंडल) का आह्वान

यज्ञ के ब्रह्मा डॉ. जयेन्द्र आचार्य उद्बोधन देते हुए साथ में डॉ. अनिल आर्य, स्वामी दिव्यानन्द जी (हरिद्वार), स्वामी यज्ञमुनि जी (मुजफ्फरनगर), स्वामी आर्यवेश जी (रोहतक), द्वितीय चित्र में मुख्य यजमान श्री दर्शन अग्निहोत्री, श्री प्रेमप्रकाश शर्मा (देहरादून), व श्रीमती सुदेश अरोड़ा। तृतीय चित्र में यज्ञ भक्त पंक्तिबद्ध होकर आशीर्वाद लेते हुए

नई दिल्ली। शुक्रवार दिनांक 27 जनवरी 2012, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, नई दिल्ली के तत्वावधान में सप्रसिद्ध स्वतन्त्रता सेनानी पंजाब केसरी लाला लाजपत राय व नेताजी सुभाष को समर्पित आतंकवाद के विरुद्ध जनजागरण करने के लिए प्रात: 10 बजे रामलीला मैदान, जी.टी.बी. एन्कलेव, दिलशाद गार्डन, दिल्ली से ''आर्यो की विशाल राष्ट्रीय एकता अखंडता रैली'' का आयोजन किया। रैली में हजारों बंधुओं ने भाग लेकर राष्ट्र रक्षा के लिए व आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष करने की शपथ ली। रैली दिलशाद गार्डन क्षेत्र के विभिन्न ब्लॉकों व बाजारों से होते हुए दोपहर 2 बजे वापिस रामलीला मैदान में ही समाप्त हुई।

शोभा यात्रा में हजारों की संख्या में आर्य युवक, गुरुकुल के ब्रह्मचारी, लाठी, जुड़ो कराटे आदि का भव्य व्यायाम प्रदर्शन करते हुए शोभा बढ़ा रहे थे। पैदल आर्य नर नारियों के जत्थे एवं स्कूटर मोटर साईकिल सवार, कारों, टेम्पो, बसों में चलकर राष्ट्रीय एकता व अखंडता का सन्देश देते हुए चल रहे थे। शोभायात्रा के मार्ग में आर्य समाज, गुरुद्वारा, सनातन धर्म मंदिर, गायत्री परिवार, मार्केट एसोसिएशन आर डब्ल्यु ऐ आदि विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं की ओर से स्थान-स्थान पर भव्य स्वागत व जलपान करवाया गया।

शोभा यात्रा का उद्घाटन ''ओ३म्'' का ध्वज फहराकर श्री मायाप्रकाश त्यागी प्रधान (आर्य प्रतिनिधि उपसभा गाजियाबाद) ने किया। उन्होंने कहा कि स्वामी दयानन्द सरस्वती महाजन समाज सुधारक थे, उन्होंने सत्य के विरुद्ध जीवन में कभी समझौता नहीं किया। उनके जीवन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए तथा पाखंड अन्ध विश्वास के विरूद्ध जोरदार विरोध करना चाहिए अन्यथा समाज पंगु हो जाएगा।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य ने कहा कि देश अपने स्वतंत्रता सेनानियों को कभी नहीं भूल सकता। लाला लाजपत राय, नेताजी सुभाष का योगदान सैदव अविस्मरणी रहेगा। देश की आजादी में आर्य समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आज देश की रक्षा के लिए आर्य समाज के नौजवान बड़ी से बड़ी कुर्बानी देने को तैयार है, उन्होंने युवा पीढ़ी से शहीदों की अमानत को संभाल

ओ३म् ध्वज फहराते स्वामी सुमेधानन्द जी सरस्वती साथ में स्वामी आर्यवेश जी, डॉ. अनिल आर्य, योगेन्द्र शास्त्री व श्रीकांत शास्त्री
द्वितीय चित्र में ध्वजारोहण करते श्री मायाप्रकाश त्यागी, स्वामी आर्यवेश जी, श्री रामलुभाया महाजन, श्री सौरभ गुप्ता, श्री प्रकाशवीर शास्त्री
तृतीय चित्र में ध्वजारोहण करते श्री सत्यभूषण जैन व श्री बी.एल. शर्मा प्रेम साथ में स्वामी यज्ञमुनि, श्री महेन्द्र भाई जी।

कर रखने वा आतंकवाद के खिलाफ जनजागरण करने का आह्वान किया।

वैदिक विरक्त मण्डल के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी सुमेधा नन्द सरस्वती ने कहा कि देश की आजादी की लड़ाई में कूद पड़े, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, शहीद भगत सिंह, श्यामजी कृष्ण वर्मा, पंडित रामप्रसाद बिस्मिल आदि क्रांतिकारियों की एक लंबी श्रृंखला है। उन्होंने राष्ट्र की रक्षा करने के लिए आर्य युवकों को शपथ दिलवाई। इस मौके पर विधायक वीरसिंह धिगान ने कहा कि जिस समय समस्त समाज शिक्षा से अछुता था तब सभी वर्गों के लिए सामान शिक्षा देने का कार्य आर्य समाज ने किया। हमारे शहीदों का सपना था जाति विहीन समाज की रचना, जहां केवल प्रत्येक भारत वासी एक कौम हो, और हम सबको मिल कर इसे पूरा करना है।

यज्ञ ब्रह्मा डॉ. जयेन्द्र आचार्य से शॉल व स्मृति चिन्ह ग्रहण करते डॉ. डी.के. गर्ग, श्री दर्शन अग्निहोत्री, श्रीमती एवं श्री महेश भार्गव, श्रीमती सुदेश अरोड़ा, श्रीमती एवं श्री सुरेन्द्र पाहवा

आर्य समाज की इस विराट शोभा यात्रा का नेतृत्व आर्य जगत के मूर्धन्य संन्यासी स्वामी सुमेधानन्द जी, स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी दिव्यानन्द जी, स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती, स्वामी यज्ञमुनि जी, स्वामी चन्द्रवेश जी, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य जी, राष्ट्रवादी शिव सेना के प्रमुख जयभगवान गोयल, यशोवीर आर्य, रामकुमार सिंह, महेन्द्र भाई, देवेन्द्र भगत, सोमदेव कथूरिया, कैप्टन अशोक गुलाटी, बी.पी. यादव, सरोज भाटिया, वेद प्रकाश आर्य, प्रवीन आर्य, सुरेन्द्र कोहली आदि आर्य नेता कर रहे थे। आर्य युवकों के व्यायाम प्रदर्शन का संचालन शिक्षक वीरेन्द्र योगाचार्य, योगेन्द्र शास्त्री, अरुण आर्य, सौरभ गुप्ता, प्रणवीर, यज्ञवीर चौहान, संजय आर्य, मनोज दुआ, सी.एल. मोहन, चतर सिंह नागर, महावीर सिंह, सुभाष आर्य, सोमनाथ आर्य, चन्द्रप्रकाश आर्य, ओमप्रकाश चुटानी, चन्द्रपाल भारद्वाज, रामकृष्ण शास्त्री (बहरोड), ब्र. दीक्षेन्द्र, डॉ ओमप्रकाश मान, रमेश योगी, नीता खन्ना, प्रभा सेठी, जीवन प्रकाश शास्त्री, जगदीश मलिक, विनोद बजाज आदि कर रहे थे।

केसरिया पगड़ीया, टोपिया ''ओ३म्'' ध्वजो के साथ शोभा यात्रा की शोभा देखते ही बनती थी। पूरा दिलशाद गार्डन का क्षेत्र केसरिया ओ३म् के ध्वजो का स्वागत द्वारों, बेनरो से केसरिया रंग में रंगा हुआ था। प्रात:काल यज्ञ आचार्य कृष्ण प्रसाद कौटिल्य (झारखण्ड) ने करवाया। वेदपाल गुरुकुल नोएडा व हजारीबाग के बच्चों ने किया।

दोपहर बाद स्वामी सुमेधानन्द जी की अध्यक्षता में वेद रक्षा सम्मेलन हुआ। रात्रि काल में श्री नरेन्द्र आर्य सुमन, श्री सहदेव बेधड़क, योगेन्द्र शास्त्री, ओमप्रकाश विज की मधुर संगीत संध्या सम्पन्न हुई।

जातिवाद, आरक्षण, तुष्टिकरण की नीति राष्ट्रीय अखण्डता के लिए घातक है

राष्ट्र रक्षा सम्मेलन में गर्जे पूर्व सांसद श्री बी.एल. शर्मा 'प्रेम'

राजस्थान आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री सत्यव्रत सामवेदी उद्बोधन देते हुए, संगीत संध्या में दीप प्रज्जवलित करते श्री नरेन्द्र आर्य सुमन, साथ में डॉ. नरेन्द्र नाथ (विधायक) व स्वामी यज्ञमुनि जी, राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में दीप प्रज्जवलित करते हुए प्रो. सारस्वत मोहन मनीषी साथ में श्री संजीव मान, श्री महेन्द्र भाई, स्वामी आर्यवेश जी व समारोह अध्यक्ष डॉ. आर.के. आर्य (निदेशक स्वदेशी फार्मेसी), डॉ. अनिल आर्य

शनिवार। दिनांक 28 जनवरी 2012, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, नई दिल्ली के तत्वावधान में चल रहे ''अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन'' रामलीला मैदान जी.टी.बी. एन्कलेव, दिलशाद गार्डन में ''राष्ट्र रक्षा सम्मेलन'' के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद व विश्व हिन्दू परिषद् के श्री बी.एल. शर्मा प्रेम ने कहा कि जातिवाद देश की एकता अखण्डता में आज सबसे बड़ी बाधा है। देश की आजादी की लड़ाई सबने मिलकर लड़ी, लेकिन जाति ने दीवारें खड़ी कर दी है। आज आरक्षण की बीमारी ने सभी को बीमार कर दिया है, सभी आरक्षण की लाईन लगाकर खड़े हैं, भाई भाई का दुशमन हो रहा है। 232 देशों में हिन्दुओं का आज कोई देश नहीं है। जब तक पूरा हिन्दू समाज छोटी छोटी जातियों, स्वार्थों से ऊपर उठकर केवल हिन्दू होने पर गर्व करना नहीं सीखेगा, तब तक इस देश का भला भगवान भी नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानन्द सरस्वती ने अपने समय में एक नई सामाजिक क्रांति का सूत्रपात किया था आज के चुनौतिपूर्ण समय में आर्यजनों का कर्तव्य बनता है कि वह स्वयं संगठित हों और इन समस्याओं के विरूद्ध समाज को संगठित कर एक नये इतिहास की रचना करें।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अनिल आर्य ने कहा कि प्रस्तावित सामूहिक लक्षित साम्प्रदायिक हिंसा विरोधी अधिनियम राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा है। यह पूरे समाज में अलगाव पैदा कर दो हिस्सों में बांट देगा। आर्य समाज ने देश की एकता अखण्डता के लिए कार्य किया, आज फिर आर्य समाज इस राष्ट्रघाती कदम का कड़ा विरोध करेगा।

इस अवसर पर स्वामी दिव्यानन्द जी, स्वामी चन्द्रवेश जी, स्वामी यज्ञमुनि जी, आचार्य वीरेन्द्र विक्रम, अर्चना मोहन, मित्र महेश आर्य (अहमदाबाद), कृष्ण प्रसाद कौटिल्य (झारखण्ड), वीरेन्द्र योगाचार्य, यशोवीर आर्य, महेन्द्र भाई, प्रवीन आर्य ने भी अपने विचार रखें। उद्घाटन सत्यभूषण जैन (अग्रवाल सम्मेलन) ने ओ३म् ध्वज फहराकर किया। 101 कुण्डीय यज्ञ डॉ. जयेन्द्र आचार्य ने करवाया। संचालन वैदिक विद्वान् डॉ. वीरपाल विद्यालंकार ने किया। दोपहर बाद राष्ट्रीय आर्य महिलासम्मेलन श्रीमती प्रभा सेठी (अध्यक्षा, आर्य युवती परिषद् दिल्ली प्रदेश) की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। उद्घाटन आर्य नेत्री श्रीमती रचना आहूजा ने किया। बहिन प्रीति (निगम पार्षद) ने सुन्दर विचारों से ओतप्रोत कर दिया। डॉ. रचना, विमल, गायत्री मीना, नीता खन्ना, सुधा वर्मा, अर्चना पुष्करना, विम्मी अरोड़ा, प्रवेश आर्या, पूनम आर्या आदि ने अपने विचार रखे। नारी जाति को संगठित कर आमूलचूल परिवर्तन करने की आह्वान किया। ऋषि दयानन्द के विचारों से ही समाज में क्रांति हो सकती है। कुशल संचालन श्रीमती सरोज भाटिया ने किया। प्रमुख रूप से विजयारानी शर्मा, मनोरमा घई, चन्द्रकांता अरोड़ा, माता लक्ष्मी सिन्हा, संगीता गौतम, शिखा अरोड़ा, शकुन्तला नागिया, सरिता डावर, अरुणा मुखी, राजकुमारी शर्मा, राज मल्होत्रा, वृन्दा सग्गी, सन्तोष आर्या, विमला गम्भीर, शशि सर्राफ, राजबाला, ममता चौहान, प्रवीन आर्या, वेदप्रभा बरेजा, राज सलूजा आदि विद्यमान थे।

सांयकाल आर्य युवकों द्वारा व्यायाम शक्ति सम्मेलन में भव्य व्यायाम प्रदर्शन दिखाये गये, श्री योगेन्द्र शास्त्री, सौरभ गुप्ता, आशीष आर्य, प्रदीप आर्य, अरूण आर्य संचालन कर रहे थे। रात्रि सत्र में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन डॉ. आर.के. आर्य (निदेशक स्वदेशी फार्मेसी) की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। डॉ. सारस्वत मोहन मनीषी ने देर रात तक प्रेरणास्पद कविताओं के माध्यम से रंग जमाया। योगेन्द्र शास्त्री, बृजपाल सिंह सन्त, रमेशचन्द्र स्नेही व देव कुमार आदि का कविता पाठ प्रभावशाली रहा। श्री महेन्द्र भाई ने कुशल संचालन किया।

राष्ट्रीय आर्य महिला सम्मेलन का उद्घाटन करते श्रीमती प्रभा सेठी व श्रीमती रचना आहुजा साथ में श्रीमती कृष्णा आर्या, बहन प्रीति (निगम पार्षद) व श्रीमती सरिता डावर द्वितीय चित्र में दयानन्द मॉडल स्कूल अमर कालोनी के बच्चे समूह गान प्रस्तुत करते हुए व मंच पर बाएं से श्रीमती विजयारानी शर्मा, श्रीमती अरुणा मुखी, श्रीमती प्रभा सेठी, बहन प्रीति, आचार्य मंजू, माता सुशीला आर्या, बहन गायत्री मीना व डॉ. रचना विमल दूबे।